in the Rajya Sabha on the 23rd March, 1988 and state:

(a) what was the frequency of Route No. 660 in the month of January, 1987 and what is its present frequency;

(b) whether it is a fact that the frequency of this Route has been curtailed, if so, the reasons therefor;

(c) whether it is a fact that the number of scheduled trips on Route numbers 602, 603, 623, 640, 641, 660 and 777 varies every month if so, the the reasons therefor; and

(d) whether it is a fact that there has been continuous decrease in the number of scheduled trips of the above routes since November, 1987, if so, the reasons therefor and the steps being taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) The frequency of Route No. 660 was 26/52 minutes in the month of January 1987 and it is maintained at present.

(b) No, Sir.

(c) and (d) Except in the case of route numbers 602 and 660, there has been no decrease in the number of scheduled trips in respect of other routes. In case of route no. 602 the decrease from 96 scheduled trips to 60 trips per day has been because of bifurcation of the route into two routes (nos. 602 & 603). By this bifurcation the actual scheduled trips of both the routes have increased from 96 to 120. As regards route 660, 16 extra trips were in operation but these had to be curtailed because of low traffic. The scheduled 64 trips are still being operated.

स्थगित और विलम्बित रेल-परियोजनाएं

343. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन रेल परियोजनाओं तथा रेल लाइनों के परिवर्तन से सम्बन्धित परियोजनाओं की संख्या कितनी है जिन्हें पिछले पन्द्रह वर्षों के दौरान उन पर कार्य आरम्भ होने के बाद किसी न किसी कारण से स्थगित अथवा विलम्बित कर दिया गया है तथा उन परियोजनाओं को पूरा किये जाने के लिए सरकार द्वारा क्या समयावधि निर्धारित की गई है ;

(ख) क्या इस सम्बन्ध में सहायतार्थ किसी अन्य देश से कोई बातचीत अथवा समझौता किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री महाबीर प्रसाद) : (क) से (ग). सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ?

देश में संरक्षित इमारतें/भग्नावशेष

344. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के प्रत्येक राज्य में संरक्षित इमारतों और भग्नावशेषों की संख्या कितनी है और उन पर प्रति वर्ष कितनी धनराशि व्यय की जाती है तथा क्या यह धनराशि इस प्रयोजनार्थ यथेष्ठ है ;

(ख) ऐसे अन्य भग्नावशेषों की संख्या कितनी है जिन्हें संरक्षित भग्नावशेष घोषित किये जाने की संभावना है और ये भग्नावशेष किन-किन राज्यों में अवस्थित हैं ; और